मानवता को सही राह दिखाने में गुरु नानक के सिद्धान्त प्रासंगिक

अग्रवाल महाविद्यालय पाचार्य डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता के दिशा निर्देशन में गुरु नानक देव की 550वीं जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में अनेक गतिविधियों को आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता के बाद 30 सितम्बर, 2019 को गुरु नानक देव जी की सम्पूर्ण जीवनी को प्रदर्शित करने वाली फिल्म विभिन्न कक्षाओं के 170 विद्यार्थियों को दिखाई गई। फिल्म के माध्यम से गुरु नानक देव के मानवतावादी सिद्धान्तों के बारे में बताया गया। वर्तमान युग की विषम और विघटनकारी परिस्थितियों में गुरु नानक देव के समतावादी समन्वयात्मक विचार केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व के लिए प्रासंगिक व उपयोगी ह। युवाओं को आपसी एकता, सादगी, सहनशीलता, परांपकार और उदारता जैसे गुणों का परिचय ही इस फिल्म के द्वारा प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयाजिका किरण आनन्द ने गुरु नानक देव के 'किरत करो, नात जपो अते वण्ड के छको' (काम करो और बाँट कर खाओ) सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए बताया कि मनुष्य को कर्मशील रहकर मात्र अपने लिए संग्रह नहीं करना चाहिए। इस आयोजन में डॉ. पूजा सैनी, श्री विनीत नागपाल, श्रीमती सुनैना, और काजल गोयल ने विशेष योगदान दिया।